B.A-I (Music)

पारिभाषिक शब्द

* वक्र स्वर - गाते बजाते समय जिस स्वर का प्रयोग का प्रयोग सपाट न होकर टेढ़ा - मेढ़ा हो उसे वक्र स्वर कहते हैं। जैसे - रे ग म ग प इसमें म स्वर वक्र है।

* तान - द्रुत गति में राग के स्वरों को आकार में बोलने को तान कहते हैं।

* गमक - स्वरों को गम्भीरतापूर्वक उच्चारण करने को गमक कहते हैं। गायन में गमक उत्पन्न करने में नाभी पर जोर पड़ता है। ध्रुपद - धमार में गमक का प्रयोग खूब होता है।

* निबद्ध गान - जो संगीत सामग्री तालबद्ध होती है, उसे निबद्ध गान कहते हैं।

* अनिबद्ध गान - जो सामग्री ताल में न बंधी हो केवल स्वरबद्ध हो, उसे अनिबद्ध गान कहते हैं।

* रागालाप - राग के स्वरों का विस्तार जिसमें ग्रह, अंश, मंद्र, तार, न्यास, अपन्यास, अल्पत्व बहुत्व, षाडत्व और औडवत्व राग के इन दस लक्षणों का पालन होता था रागालाप कहलाता था।

Scanned with CamScanner

कुछ तालें

तीनताल

मात्रा - 16, विभाग - 4, ताली - 1, 5, 13 पर खाली - 9 पर

ठाह

धा धिं धिं धा	धा धिं धिं धा	धा तिं तिं ता	ता धिं धिं धा
x	2	0	3

रूपक ताल (विलम्बित)

मात्रा - 7, विभाग - 3, ताली - 1, 4, और 6 पर

धिं ऽधा तिरकिट	धिं धा	धागे तिरकिट
x	2	3

रूपक ताल (मध्यलय)

ति ति ना	धी ना	धी ना
x	2	3

धमार (मात्रा - 14)

ताली - 1, 5, 11 और खाली - 8 पर

क धि ट धि ट	धा -	ग ति ट	ति ट ता -
x	2	0	3

कहरवा (मात्रा - 8)

विभाग - 2, ताली - 1 पर खाली - 5 पर

धा गे न ति	न क धि न
x	0

दादरा ताल (मात्रा - 6) विभाग - 2

ताली - 1 पर खाली - 4 पर

धा धी ना	धा तू ना
x	0